Item Code: 645 Participant Code: 039

കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം, തിയ്യതി...................... പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി

विषय : नारियाँ - नौकरी क्षेत्रों में

नारियाँ और नौकरी के क्षेत्र

रूपरेखा

- भूमिका
- पुरानी वक्त कि नारियाँ और नौकरी
- आज की नारियाँ और नौकरी का क्षेत्र
- नौकरी के क्षेत्रों मे नारियाँ सामने करने वाली मुसीबत
- नारियों का आगे आने का ज़रूरत
- आज के बच्चे
- समूह का कर्तव्य
- पढाई का महत्त्व
- उपसंहार

• भूमिका

नारियाँ समूह के आधार है। नारियों की महत्त्व समझना समूह का कर्तव्य है। नारियों की महत्त्व जानने वाले हर लोग उनके साथ प्यार व्यवहार करेंगे। नारियों को ईश्वर के स्थान देता है। लेकिन पुरातन वक्त से नारियों को घर के नौकर के समान सब व्यवहार करते हैं। उनके विकास और उन्नती को उन लोग मना करता है। नारियों को हर बाद केलिए

मारने वाले समूह आज कल बन रहा है। लेकिन फिर भी नारियाँ विकास कि ओर पूरी ताकत के साथ चलती है। नारियों के महत्त्व समझने वाली समूह उनके साथ ही रह कर उनके जीत केलिए मदद करते है। कितने भी मुश्किल समय आए आज के नारियाँ उसे पूरे ताकत के साथ लडती है। इनका कारण नारियों मे हुई बदलाव और विकास है।

"खुद जीवन का नायिका बनिए शिकार नही"
– नोरा एफ्रोन

खुद आत्मविश्वास के साथ आगे पडने वाली नारियों जीत संभव है।

• **पुरानी वक्त कि नारियाँ और नौकरी**

पुरातन भारत में स्त्रियों को महत्त्वपूर्ण स्थान देता है। उन्हे ईश्वर के समान देखकर पूजा करता था। उनको हर क्षेत्रों मे काम करने का हक था। इसके एक उदाहरण है राणी लक्ष्मी भाई उसने खुद अंगरेज़ो से लडाई किया था। पुरातन समय में नारियाँ

राजनीती, कानून आदि चीज़ में अपने विचार कहता था। फिर भी उस समय में भी नारियाँ भेदभाव का शिकार बना था। नारियों को नौकरी करने में उस समय मना था। जब तक की उन्हें घर से बहार भी नही निकल पाता था। नारियों को केवल घर के नौकर के समान देखते थे। एक ओर उनके पूजा करने के साथ दुसरी ओर से ~~उन्हे~~ उनके नाश कर रहा है। पुरातन समय का कहावत था "**नारि माँ है, नारि ईश्वर है, नारि धन है**" लेकिन उस नारि के आज़ादी को पुरातन वक्त से मना किया हुआ था। ~~ना~~ पुरातन समय में ये विचार था कि नारियाँ केवल घर के काम केलिए, बच्चों और घरवालों कि ज़रूरत केलिए बना हुआ है। लेकिन यह विचार गलत है पुरूष के जैसा समान अधिकार नारियों को भी इस दुनिया में है। पुरातन वक्त से ही नारियों की आज़ादी, नारियों की नौकरी करनी अधिकार सब केलिए ~~f~~ नारियाँ ही आगे आया था।

श्री

आज कि नारियाँ और नौकरी का क्षेत्र

आज पूरी दुनिया विकास के चट्टान पर है। हर क्षेत्र मे विकास हो रहा है। शिक्षा, कानून, आदि क्षेत्त में विकास बहुत तेज़ी से हो रहा है। इन क्षेत्रो के साथ नारियाँ भी विकास कि ओर दौड रहा है। उनके विकास को मना करने वालों को पीछे छोडकर वह आगे बड रहा है। इसका कारण उन लोग उनके दिल में विकास सपना बनाया इसलिए वह उनके पीछे जा रहा है।

"सपना वो नही जो हम सोते वक्त देखती है,
सपना वो है जो हमें सोने नही देता"
-ए.पी.जे अब्दुल कलाम

इसलिए आज कि नारियाँ नौकरी के क्षेत्र में तेज़ी से आगे बढ रहा है। नौकरी के हर क्षेत्त में जैसे कि डोक्टरी, वैज्ञानिक, शिक्षक आदि में नारियाँ विकसित ~~कर~~ हो रहा है। लेकिन वहा नारियाँ मुसीबत का सामना करना पडता है।

64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം, തൃശ്ശൂർ
തിയ്യതി....................
★ പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി ★

• नौकरी के क्षेत्रों में नारियाँ सामने करनेवाली मुसीबत

आज नारियाँ हर क्षेत्र में विकसित हो रहा है फिर भी नारियाँ कई तरह के मुज़ीबत का सामना करना पड रहा है। घर से लेकर रास्ते तक, रास्ते से लेकर काम करने वाले जगह तक नारियाँ पीडित हो रहा है। घर से नारियों को कई तरह के पीडा अनुभव करना पडता है। घर वाले उसे काम करने से मना करता है उसे छोटी-छोटी बात पर इसलिए जखडा करती है। इससे ~~वह~~ नारियों के खुशी और शांती नष्ट हो जाएगे और वह काम करने से पीछे हो जाएगे। नारियाँ मुसीबत सामने करने वाली दूसरी ~~[illegible]~~ है स्थान है रास्ता काम के बाद रात को घर जाने वाले नारियों को अपहार से लेकर समूह के काले हाथों तक मुसीबते देखकर बैठा है। काम करने वाले जगह मैं में भी ऐसा काले हाथे अकेलाएं बैठा है और काम की जगह पर होने वाली स्त्री-पुरुष भेदभाव नौकरी से मिलने वाली पैसे कम देना

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

काम उन्नती देने से मना करना सब इसका उदाहरण है। फिर भी इन मुसीबतों को सामना करके वह आगे बढ रहा।

"कितने कडवी रास्ता होगा फल उतनी ही मीठा होगा"

— थोमस पैन

• नारियों का आगे आने का जरूरत

नारियाँ हर मुसीबत का सामना करते हुए आगे आ रहा है। केवल एक सपने से नही हर वक्त उसकेलिए प्रयतन करने से ही ~~इसे~~ ~~उ~~ नारियों आगे बड सकता है। अपने सपने के पीछे इतने ताकत से चलने कि कारण कई नारियाँ अलग-अलग क्षेत्रों में आगे आया है इसके ~~अ~~ उदहरण है कल्पना चावला, इन्दीरा गांधी, कोनेरू हँपी जैसे नारियाँ।

"आप कुछ करना चाहते है तो इससे क्या फर्क पडता है आप कहाँ है"

— कल्पना चावला

नारियाँ आगे आने से केवल उसी क्षेत्र में नही पूरी

दुनिया में बदलाव बना सकता है। इसलिए हमारे देश के विकास के लिए नारियों का विकास ज़रूरत है।

• **आज के बच्चे**

आज के बच्चे और कल का हमारा देश दोनों एक सिक्के के दो पहलू जैसा है। तो बदलाव करने है तो पहले हम बच्चों से शुरुवात करना है। बच्चों को नारि के गुणों के बारे में सिखाना है उनके कमी के बारे में नही। उन्हे अच्छी तरह से व्यवहार करने कि ज़रूरत के बारे में भी हम सिखाना चाहिए। बच्चियों को काम करने के ज़रूरत के बारे में भी बताना चाहिए। आज के बच्चों को उनके साथ होने वाली माँ, दीदी। बहन सबके ज़रूरत समझ आया तो। कल हमारा देश मे नारियों सामना करने वाली हर मुसीबत का सामना कर सकता है।

"आज के बच्चे कल के देश का नागरिक"

– जवहरलाल नहरू

• समूह का कर्तव्य

एक व्यक्ति को बनाने मे समूह का स्थान बडा है। एक व्यक्ति को बुरा या अच्छा बनाने केलिए समूह एक शब्द ही काफी है। इसलिए नारियों के विकास और नौकरी क्षेत्रों में उनके स्थान बडाने को समूह ज़्यादा काम कोई और नहीं कर सकती। हम एक बार उनके अच्छाई केलिए काम किया तो पूरा देश में भी अच्छाई फैल जाएगा। हम बच्चों को और दूसरी लोगों को नारियों और उनको नौकरी के क्षेत्र में देने वाली व्यवहार को बदल कर प्यार से व्यवहार करे तो सब भेदभाव खत्म हो जाएगा।

"खुद बदलाव बनिए
जो आप ये दुनिया
में देखना चाहते है"
—महात्मा गाँधी

पढाई का महत्व

पढाई से हमे कई चट्टान आसानी से पार कर सकते है। पढाई के बीना विकास असंभव है। पढाई का महत्व हम समझना चाहिए। पढाई से ही हमें अच्छे नौकरी मिलते है। इसलिए आज भी कई जगह मे केवल पुरुषों को ही पढाई देती है लड़कियों को ये मना कर रहा है। पढाई जीवन मे उन्नती पाई कई लडकियाँ है इस मे एक है कल्पना चावला। लड़कियों और बच्चों कि पढाई केलिए काम करा कई लोग है उसमे एक है मलाला युसफसाई। उसने पढाई के महत्व समझ कर सब लोगों केलिए काम किया।

"एक कलम, एक किताब, एक शिक्षक पूरी दुनिया को बदल सकते है।"

—मलाला युसफसाई

उपसंहार

नारियों के विकास से केवल उन्हें ही नहीं पूरे दुनिया को विकास होगा। नारियाँ नौकरी के क्षेत्र में बढ़ने से यह विचार नष्ट हो जाएगा कि पुरुष ही काम केलिए ताकतवर। नारियों के सम्मान करने कोई भी कमी नहीं करना चाहिए। उनके विकास केलिए हम हर समय काम करना चाहिए। नारियाँ खुद भी विकास केलिए चलना चाहिए। और सब पुरानी कहानी को तोड़कर नए जीत की कहानी बनाने चाहिए। नौकरी के क्षेत्र में ही नहीं हर क्षेत्र में नारी यों विकसित होना चाहिए। क्योंकि यह दुनिया में स्त्री और पुरुष दोनों भी एक साथ बना था, एक साथ जीना था। इसलिए इस दुनिया किसकेलिए भी कोई ~~सिमा~~ न सीमा नहीं है।